भारत सरकार

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 2210**

दिनांक 11 जुलाई, 2019 को उत्‍तर के‍ लिए

**आंगनवाड़ी केंद्रों की निगरानी**

**2210. श्री संजय सिंहः**

क्या महिला एवं बाल विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि सरकार पूरे देश में डिजिटलीकरण के माध्यम से आंगनवाड़ी केंद्रों (एडब्ल्यूसी) की प्रभावी निगरानी करने पर विचार कर रही है;

(ख) यदि हां, तो किस हद तक राज्य-वार डिजिटलीकरण प्राप्त कर लिया गया है;

(ग) इस परियोजना की प्रस्तावित समय-सीमा क्या है और इसके तहत लागू की गई राज्य-वार कार्यनीतियां क्या-क्या हैं; और

(घ) आंगनवाड़ी केंद्रों में पोषण, साक्षरता और संख्या में सुधार लाने के लिए सरकार और राज्य सरकारों द्वारा की गई पहलों का ब्यौरा क्या है?

**उत्‍तर**

श्रीमती स्‍मृति ज़ुबिन ईरानी महिला एवं बाल विकास मंत्री

(क) से (ग): महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के पोषण अभियान के अंतर्गत आईसीडीएस-सीएएस अनुप्रयोग प्रारंभ होने के साथ आंगनवाड़ी केन्‍द्रों में रजिस्‍टरों के अंकीकरण का कार्य शुरू कर दिया गया है। विशेष रूप से इस प्रयोजनार्थ तैयार किए गए सीडीएस – सामान्‍य अनुप्रयोग सॉफ्टवेयर के इस्‍तेमाल से आंकड़ों का संग्रहण किया जा सकता है, निर्धारित सेवा प्रदायगी सुनिश्‍चित की जा सकती है और आवश्‍यकतानुसार जरूरी उपाय करने की सूचना प्राप्‍त होती है। आंगनवाड़ी कार्यकर्त्री आईसीडीएस-सीएएस अनुप्रयोग के साथ लगे मोबाइल उपकरणों के माध्‍यम से प्रदान की गई सेवाओं के बारे में सूचना संरक्षित करती है। 30 जून, 2019 तक की स्‍थिति के अनुसार 3.50 लाख से भी अधिक आंगनवाड़ी केन्‍द्र कारगर सेवा प्रदायगी के लिए आईसीडीएस-सीएएस एप्‍लीकेशन का इस्‍तेमाल कर रहे हैं। आईसीडीएस-सीएएस का इस्‍तेमाल करने वाले आंगनवाड़ी केन्‍द्रों की संख्‍या **अनुलग्‍नक-1** में दी गई है। इस कार्यक्रम के क्रियान्‍वयन की योजना के अनुसार मार्च, 2020 तक सभी आंगनवाड़ी केन्‍द्रों को इसके अंतर्गत लाये जाने का लक्ष्‍य रखा गया है।

(घ): पोषण अभियान के अंतर्गत सरकार द्वारा उठाए गए कदम हैं: अन्‍य विभिन्‍न कार्यक्रमों के साथ समायोजन, सेवा प्रदायगी तथा अन्‍य उपायों के सुदृढ़ीकरण के लिए सूचना प्रौद्योगिकी पर आधारित सामान्‍य अनुप्रयोग सॉफ्टवेयर का प्रयोग, तथा एक जन आंदोलन के रूप में लोगों को पोषाहारीय पहलुओं की जानकारी देने तथा अग्रणी कार्यकर्ताओं की क्षमता के निर्माण के लिए सामुदायिक संघटन तथा जागरुकता विकास आदि।

\*\*\*\*\*

**अनुलग्‍नक-।**

**'आंगनवाड़ी केंद्रों की निगरानी' विषय पर श्री संजय सिंह द्वारा दिनांक 11 जुलाई, 2019 को पूछे जाने वाले राज्‍य सभा अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 2210 के उत्‍तर के भाग (क) से (ग) में संदर्भित विवरण**

**आईसीडीएस-सीएएस का इस्‍तेमाल करने वाले आंगनवाड़ी केंद्रों की संख्‍या**

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| क्र.सं. | राज्‍य/संघ राज्‍य क्षेत्र का नाम | आईसीडीएस-सीएएस ऐप्‍लीकेशन का इस्‍तेमाल करने वाले आंगनवाड़ी केंद्र |
|  | अंडमान और निकोबार द्वीप समूह | 1,637 |
|  | आंध्र प्रदेश | 55,560 |
|  | बिहार | 25,500 |
|  | चंडीगढ़ | 450 |
|  | छत्तीसगढ़ | 10,473 |
|  | दादरा और नगर हवेली | 303 |
|  | दमन और दीव | 102 |
|  | हिमाचल प्रदेश | 7,591 |
|  | झारखंड | 10,701 |
|  | मध्य प्रदेश | 27,799 |
|  | महाराष्ट्र | 1,06,400 |
| 12. | मिजोरम | 2,169 |
| 13. | नागालैंड | 3,300 |
| 14. | पुद्दुचेरी | 836 |
| 15. | राजस्थान | 18,730 |
| 16. | सिक्किम | 819 |
| 17. | तमिलनाडु | 18,573 |
| 18. | तेलंगाना | 10,972 |
| 19. | उत्तर प्रदेश | 50,537 |
| 20. | उत्तराखंड | 1,534 |
|  | **कुल** | **3,53,986** |